कृपया प्रकाशनार्थ **14 मार्च 2012**

आम यात्री को गुमराह करनेवाला रेल बजट: राम नाईक

मुंबई,बुधवार: ''आम रेली यात्री की लूटमार करनेवाला तथा उसे गुमराह करनेवाला यह रेल बजट है'', ऐसे शब्दों में पूर्व रेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री. राम नाईक ने इस रेल बजट की कडी आलोचना की है.

रेल मंत्री श्री. दिनेश त्रिवेदी ने किराए में की वृद्धी भारी है लेकीन वह कम दिखाने की कोशिश उन्होने की है. प्रति किलोमीटर सिर्फ दो पैसे बढोतरी शायद ज्यादा नहीं लगती. मगर इसका मतलब यह है कि विरार-चर्चगेट यात्रा को प्रति दिन रु. 2.40 तो मासिक पास के लिए रु. 48 अधिक खर्चा आएगा जो आम आदमी के लिए बडा बोझ है, ऐसी जानकारी श्री. राम नाईक ने दी. रेलमंत्री ने अपने भाषण में एमयुटीपी - I पुरा हुआ है ऐसा वक्तव्य किया है, इस बात पर ध्यान खींच कर श्री. राम नाईक ने सवाल उठाया कि फिर इस योजना के अनुसार चर्चगेट-डहाणु सीधी रेल सेवा शुरु क्यों नहीं हुअी?

''सभी योजनाओं पर रेल मंत्री ने विचार कर रहें हैं ऐसा कहा है. मगर कथनी की करनी कब होगी क्या मालूम,'' ऐसा कह कर श्री. राम नाईक बोले,''पश्चिम रेलवे पर मुंबई में डीसी का एसी में परिवर्तन होने से चर्चगेट - विरार गाडी की गति प्रति घंटे 80 से 100 किलोमीटर बढी है, जिसके चलते 25 प्रतिशत गाडीयाँ बढ सकती है. गाडीयाँ बढानी चाहिए, ऐसी माँग हमने रेल मंत्री से की थी. यह अपेक्षा पुरी नही हुअी मगर कुछ गाडीयाँ तो बढी इस बात पर ही मुंबई के रेल यात्रिओं को संतुष्ट रहना होगा.''

''अगर पुरे देश का विचार करें तो किराए के बढे बोझ के अलावा रेल यात्रीओं को इस रेल बजट से कुछ भी नही मिला है,'' ऐसा भी श्री. नाईक ने अंत में कहा.

(कार्यालय मंत्री)